Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Deptt. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper- IV
Date- 6-10-20

Gestalt Psychology

its contribution in the field of perception and Learning.

आरंभ में गेस्टाल्ट मनोविज्ञान का सक्रिय योगदान सिर्फ प्रत्यक्षण (perception) के क्षेत्र तक ही सिमित रहा। लेकिन बाद में इस मनोविज्ञान द्वारा अन्य क्षेत्रों जैसे :- सिखना, चिन्तन स्मृति आदि में भी सक्रिय योगदान किया गया। इस क्षेत्रों में गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों द्वारा कई प्रयोग किए गए योगदानों का वर्णन निम्नांकित है।

(1) प्रत्यक्षण (Perception) :- प्रत्यक्ष के क्षेत्र में किए गए योगदानों के लिए गेस्टाल्ट मनोविज्ञान का महत्व मनोविज्ञान के सभी स्कूलों से अधिक है। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए गए योगदानों को निम्नांकित पाँच भागों में बाँटकर वर्णन किया जा सकता है।

(i) अंश - समग्रता मनोविज्ञान (Part- Whole Psychology)

(ii) प्रत्यक्षणात्मक संगठन के (Principles of Perceptual organization)

~~(iii) प्रत्यक्षणात्मक संगठन के नियम~~

(iii) वस्तु स्थिरता (Object constancy)

(iv) क्षेत्र गतिकी (Field dynamics)

(v) फाई घटना तथा समाकृतिता के नियम :- Phi- Phenomenon and Principle of Isomorphism. ये सभी वर्णन निम्नांकित है।

(1) अंश समग्रता मनोविज्ञान (Part-Whole Psychology):-

गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने यह स्पष्ट किया है कि समग्रता (Whole) तथा इसके अंश (Part) के प्रत्यक्षण में अन्तर होता है हलाँकी काफी पहले एक चीनी संत ने करीब 700 इस पूर्व (700 BC) यह कहा था की अंशो का योग समग्रता (Whole) नही होता है। गेस्टाल्ट मनोविज्ञान के अनुसार प्रत्यक्षनात्मक समग्रता उसके अंशो के प्रत्यक्षण से भिन्न होती है। प्रत्यक्षणात्मक समग्रता (Perceptual Whole) की दो विशेषताएं होती है। पहला, प्रत्यक्षणात्मक समग्रता (Perceptual) एक तरह से संगठित समग्रता (United Whole) होता है न कि संवेदनो (Sensation) का मात्र गुच्छन या समुहन (cluster) अगर हमलोग इस प्रत्यक्षणात्मक समग्रता को तोड़ना चाहे तो कुछ नयी चीज की उत्पत्ति हो जाएगी न की ~~उसके~~ उसके अंश की विशेषताएं की उत्पत्ति होगी। इसका स्पष्ट मतलब यह हुआ की प्रत्यक्षनात्मक समग्रता की मौलिक विशेषताएं विश्लेषण के बाद समाप्त हो जाती है। दूसरा, इस तरह के ~~प्रत्यक्षण~~ प्रत्यक्षनात्मक समग्रता पृष्ठभूमि (background) से भिन्न होते है। अतः प्रत्यक्षणात्मक समग्रता केवल समग्रता (Whole) ही नही होती है बल्कि पृथक समग्रता (Segregated Whole) होते है।

इस तरह के प्रत्यक्षणात्मक समग्रता के अविश्लेषित स्वरूप पर बल डालकर, गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक संरचनावादी मनोविज्ञान के तत्ववाद (Elementalism) के आधार पर काफी कमजोर कर दिया।

Next class